सत्र 2024 -2025 के लिए पाठयक्रम (कक्षा -III)

विषय - हिंदी

<u>शिक्षकों के लिए सुझाव</u>

- खेल आधारित, गतिविधि आधारित व समूह आधारित शिक्षण विधियों का प्रयोग करें। गतिविधियों में विद्यार्थियों को एक दूसरे से सीखने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध हों।
- भाषा शिक्षण के लिए कक्षा लाइब्रेरी, समाचार-पत्र, वीडियो और ऑडिओ रिकॉर्डिंग आदि का भी प्रयोग करें। बच्चों को सिर्फ़ किताबों तक ही सीमित ना रखा जाए।
- भाषा के चारों कौशलों (श्रवण कौशल, वाचन कौशल, पठन कौशल और लेखन कौशल) को बराबर महत्व दें। बच्चों को ऐसी गतिविधियाँ करवाई जाएँ जिनसे सभी कौशलों का विकास हो सके।
- जब आप कोई भी पाठ बच्चों को पढ़ा रहे हो तो उसके पाठ के लेखक और प्रयोग की गई साहित्य की विधा के बारे में भी बच्चों को ज़रूर बताएँ।
- व्याकरण भाषा शिक्षण का अभिन्न अंग है व्याकरण बच्चों को रटाया ना जाए। व्याकरण के व्यवहारिक स्वरूप पर अधिक बल दें व उसका सन्दर्भ में प्रयोग करना सिखाएँ।
- शिक्षक पाठ में दिए गए QR Code का प्रयोग करें एवं विद्यार्थियों को भी प्रयोग के लिए प्रोत्साहित करें।

प्रथम सत्र (2024 -25) के लिए पाठ्यक्रम						
कक्षा III						
विषय- हिंदी						
क्रम संख्या	**पाठ संख्या**	**पाठ का नाम**	**सीखने के प्रतिफल**	**टिप्पणी कौशल - वाचन, श्रवण, पठन, लेखन**	**पाठ के लिए सुझाई गई गतिविधियाँ**	**सामग्री संवर्धन कार्यपत्रिका**
सत्र 1						
1	1	सीखो	• कही जा रही बात, कविता, कहानी आदि को ध्यान से समझते हुए सुनते हैं और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर सकते हैं तथा उचित हाव भाव के साथ सुना सकते हैं। • विद्यार्थी चित्र-वर्णन कर सकते हैं।	वाचन व श्रवण कौशल – प्रकृति से संबंधित चित्र दिखा कर विद्यार्थियों को बातचीत एवं अनुभव साझा करने के अवसर दीजिए। पठन कौशल- विद्यार्थियों को कविता पढ़ने के लिए दीजिए और उस से सम्बंधित सरल प्रश्न पूछिए। लेखन कौशल- सुलेख, कविता में 'किससे सीखने की बात आपको सबसे अच्छी लगी' विषय पर प्रश्नों के उत्तर लिखिए। व्याकरण- श्रुतलेख, संज्ञा आदि का सन्दर्भ में प्रयोग।	• कविता में आपने जिससे जो सीखा उसका अभिनय करके दिखाइए। • कविता को लय-ताल के साथ गाएँ। • कविता से सम्बंधित चित्र बनवाएँ व उनपर बातचीत करें।	तरंग कार्यपुस्तिका की कार्यपत्रिका क्र. 2 एवं 4
2	2	चींटी	• कविता को उचित हाव भाव के साथ सुना सकते हैं।	वाचन व श्रवण कौशल – कविता को लय ताल के साथ सस्वर वाचन के लिए प्रेरित करिए। पठन कौशल- विद्यार्थियों को अन्य जानवरों से सम्बंधित कविताएँ पढने के लिए दीजिए। लेखन कौशल- कविता से सम्बंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।	• कविता से सम्बंधित अभिनय बच्चों से कराइए। • कविता पूरी करने के लिए दीजिए (रिक्त स्थानों के साथ)।	

2	3	कितने पैर?	• कही जा रही बात, कविता, कहानी आदि को ध्यान से समझते हुए सुनते हैं और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर सकते हैं तथा उचित हाव भाव के साथ सुना सकते हैं।	वाचन व श्रवण कौशल– विद्यार्थी विभिन्न जानवरों की आवाज़ें निकालते हुए अभिनय करेंगे। पठन कौशल- सस्वर व मूक पठन, विद्यार्थियों को पाठ के पीछे दिए 'दोस्त के जूते' पढ़ने के लिए दीजिए और सरल प्रश्न पूछिए। जोड़े में पठन गतिविधि कराएँ। लेखन कौशल- संवाद लेखन (रिक्त स्थान के अनुरूप), जंगल में पाए जाने वाले जानवरों के नाम लिखिए। व्याकरण- वाक्यांश के लिए एक शब्द का सन्दर्भ में प्रयोग।	विभिन्न जानवरों के मुखौटों का निर्माण करना।	
3	4	बया हमारी चिड़िया रानी	• लगभग 8-10 वाक्यों की साधारण कहानी अथवा कविता को आसानी से पढ़ सकते हैं तथा उन्हें आगे बढ़ाने का प्रयास करते हैं। जैसे- विद्यार्थी बया पक्षी के बारे में बता सकते हैं।	वाचन व श्रवण कौशल – 'हम अपना घर बनाते समय किन-किन वस्तुओं का उपयोग करते हैं' पर चर्चा करना, हाव-भाव के साथ सस्वर वाचन। दिए गए शब्दों से कहानी बनाकर सुनाना। पठन कौशल- पद्यांश पढ़ने के लिए दीजिए और सरल प्रश्न पूछिए। सस्वर, हाव भाव के साथ पठन, पाठ में दिए बूझो तो जानें पढ़कर उत्तर का अनुमान लगाएँ। लेखन कौशल - पाठ में बया रानी नदियों से पानी लाती है, वह नदियों के अतिरिक्त कहाँ-कहाँ से पानी लाती होगी? उन स्रोतों के नाम लिखिए। दिए गए शब्दों की सहायता से कहानी या कविता लिखना। व्याकरण - लिंग बदलो, वचन बदलो आदि का सन्दर्भ में प्रयोग।	• अपने मनपसंद पक्षी का चित्र बनाइए। • खेल- खेल में शब्द ढूँढो (Crossword Puzzle)	

4	5	आम का पेड़	• लगभग 8-10 वाक्यों की साधारण कहानी अथवा कविता को आसानी से पढ़ सकते हैं तथा उन्हें आगे बढ़ाने का प्रयास करते हैं।	<u>वाचन व श्रवण कौशल</u>– सस्वर वाचन कर पाठ की समुचित समझ विकसित कीजिए। आपको कौन-सा फल बहुत अच्छा लगता है, वह फल आपको क्यों पसंद है उसके बारे में बताइए। <u>पठन कौशल</u>- मूक पठन कर गद्यांश पर आधारित प्रश्नों पर चर्चा करें। <u>लेखन कौशल</u>- फल देने वाले वृक्षों के नाम लिखिए। लेखन अभ्यास गतिविधि कराइए। <u>व्याकरण</u>- विशेषता बताने वाले शब्दों का सन्दर्भ में प्रयोग।	• एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करें। • आम पर कोई कविता सुनें। • आम की गुठली बोने की गतिविधि कराएँ।	
5	6	बीरबल की खिचड़ी	• अलग-अलग तरह की रचनाओं में आए नए शब्दों के अर्थ संदर्भ के अनुसार समझ सकते हैं और तीन-चार वाक्यों का स्वनियंत्रित लेखन कर सकते हैं। • विद्यार्थियों की कल्पनाशक्ति विकसित की जा सकती है।	<u>वाचन व श्रवण कौशल –</u> अकबर और बीरबल की कोई और कहानी सुनाएं। <u>पठन कौशल-</u> सस्वर व मूक पठन, गद्यांश पढ़ने को दीजिए और सरल प्रश्न पूछिए। <u>लेखन कौशल-</u> दिए गए शब्दों की सहायता से कहानी लेखन। <u>व्याकरण</u>- विलोम शब्द, वाक्य शुद्धि आदि का सन्दर्भ में प्रयोग।	• भारत की नदियों के बारे में पता कीजिए। • पुस्तकों या अन्य माध्यमों से बीरबल की कहानी ढूँढकर पढने के लिए प्रेरित करें।	

6	7	मित्र को पत्र	• पाठ्यपुस्तक में आए दैनिक शब्दावली के हिन्दी भाषा के शब्दों का अर्थ समझते हैं तथा उनसे अर्थपूर्ण वाक्यों का निर्माण कर सकते हैं तथा सामान्य पत्र लेखन कर सकते हैं। • विद्यार्थी औपचारिक और अनौपचारिक पत्र लिख सकते हैं।	<u>वाचन व श्रवण कौशल –</u> अनौपचारिक पत्रों की समझ विकसित करना, इस पत्र से गुवाहटी नगर के बारे में आपको क्या-क्या जानकारी मिली। <u>पठन कौशल-</u> पाठ को पढना व उसके विषय में बातचीत करना। <u>लेखन कौशल-</u> गर्मी की छुट्टियाँ साथ बिताने के लिए मित्र को आमंत्रण पत्र (रिक्त स्थानों के प्रारूप में)। <u>व्याकरण</u>- संयुक्त अक्षर (त्र,श्र) का सन्दर्भ में प्रयोग।	• डाक-टिकट इकट्ठा करें एवं उनकी उपयोगिता पर चर्चा कीजिए। • भाषा की बात गतिविधि • पाठ पढने की बाद गुवाहाटी नगर का कोई चित्र बनायें व उसपर चर्चा करें।	

नोट- उपर्युक्त पाठ्यक्रम पुनरावृत्ति के साथ मध्यावधि परीक्षा से पहले पूर्ण हो जाना चाहिए।

सत्र 2						
7	9	प्रकृति पर्व- फूलदेई	• अपने आस-पास होने वाली घटनाओं और अपने अनुभव के विषय में बातचीत कर सकते हैं और उनसे संबंधित सवाल पूछ सकते हैं। जैसे- पाठ के आधार पर उत्तराखंड की संस्कृति के बारे में चर्चा कर सकते हैं।	<u>वाचन व श्रवण कौशल</u> – त्योहारों के महत्व पर चर्चा करना। पठन कौशल- बच्चों को समूह में बांटकर पाठ को पढने के लिए कहिए व पाठ में आए त्योहारों से संबंधित चर्चा कीजिए। <u>लेखन कौशल-</u> भारत में कौन-कौन से त्योहार मनाए जाते हैं उनकी सूची बनाइए। <u>व्याकरण</u>- पूर्ण-विराम, अल्प-विराम, प्रश्नसूचक चिह्न आदि का सन्दर्भ में प्रयोग।	• अलग-अलग राज्यों में मनाए जाने वाले त्योहारों की सूची बनाइये। • कक्षा में उपस्थित अलग-अलग संस्कृतियों के विद्यार्थियों के साथ उनके क्षेत्र विशेष से सम्बंधित त्योहारों, खानपान, वेशभूषा आदि की चर्चा करें, चित्र बनवाएँ व रोल प्ले करवाएँ।	तरंग कार्यपुस्तिका की कार्यपत्रिका क्र. 9, 13 एवं 17
8	11	एक जादुई पिटारा	• अलग-अलग तरह की रचनाओं में आए नए शब्दों के अर्थ संदर्भ के अनुसार समझ सकते हैं और तीन-चार वाक्यों का स्वनियंत्रित लेखन कर सकते हैं। • विद्यार्थियों की कल्पनाशक्ति विकसित की जा सकती है।	<u>वाचन व श्रवण कौशल</u> – कविता को लय-ताल व स्वरों के उतार चढ़ाव के साथ गाएँ व बच्चों को भी गाने के लिए कहें। कल्पना शक्ति से कविता बनाकर सुनना, जब पिटारा खोला गया तो उसमे से क्या-क्या निकला बताइए। <u>पठन कौशल-</u> पद्यांश पर आधारित चर्चा कराइए। <u>लेखन कौशल-</u> दिए गए संकेतों से कविता लिखिए। <u>व्याकरण</u>- तुकांत शब्द, शब्दों को व्यवस्थित क्रम में लिखिए।	• अपनी आवश्यकता की वस्तुओं का एक पिटारा बनाइए व अपने मित्रों के साथ उसपर बातचीत कीजिए। • जादुई पिटारे का चित्र बनाकर उसमें रंग भरिये।	

9	12	अपना-अपना काम	• लगभग 8-10 वाक्यों की साधारण कहानी अथवा कविता को आसानी से पढ़ सकते हैं तथा उन्हें आगे बढ़ाने का प्रयास करते हैं। • विद्यार्थी काम करने के महत्व को जान सकते हैं।	<u>वाचन व श्रवण कौशल</u> – आपके घर में कौन क्या-क्या काम करता है? बताइए। <u>पठन कौशल-</u> जोड़ों में पठन, समूह में पठन, अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देना। <u>लेखन कौशल-</u> संवाद लेखन, आप अपने घर के किन कामों में हाथ बटाते हैं लिखकर कक्षा के सामने प्रस्तुत कीजिए। <u>व्याकरण</u>- संज्ञा, सर्वनाम, द्विरुक्ति शब्द आदि का सन्दर्भ में प्रयोग। ।	• बगीचे का भ्रमण कर अपने मनपसंद पेड़ का चित्र बनाना व वाक्य लिखना। • यदि आप एक दिन के लिए कुछ बन सकते तो क्या बनना चाहते?	
10	13	पेड़ों की अम्मा-'थिमक्का'	• अपने आस-पास होने वाली घटनाओं और अपने अनुभव के विषय में बातचीत कर सकते हैं और उनसे संबंधित सवाल पूछ सकते हैं। • विद्यार्थी पेड़ों का महत्व समझ सकते हैं।	<u>वाचन व श्रवण कौशल</u> – पेड़ हमारे किस-किस काम आते हैं? क्या आपने किसी पौधे की देखभाल की है? कैसे? अपने घर में लगे पेड़ पौधों पर चर्चा करें। <u>पठन कौशल-</u> लाइब्रेरी से प्रकृति से जुड़ी पुस्तक उपलब्ध कराइए। <u>लेखन कौशल-</u> यदि आपको थिमक्का अम्मा को अपना परिचय देना हो तो आप कैसे देंगे? लिखकर बताइए। <u>व्याकरण</u>- द्वित्व व्यंजन, संयुक्ताक्षर आदि का सन्दर्भ में प्रयोग। ।	• थिमक्का अम्मा के कौन-कौन से काम से आप प्रेरित हुए। थिमक्का अम्मा को पत्र लिखकर अपने मन की बात बताइए। • पत्ते/सब्जी की छाप से प्रकृति का दृश्य।	

11	16	चंद्रयान	• कही जा रही बात, कविता, कहानी आदि को ध्यान में समझते हुए सुनते हैं और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर सकते हैं तथा उचित हाव भाव के साथ सुना सकते हैं। • विद्यार्थी पृथ्वी के उपग्रह (चाँद) के बारे में जान सकते हैं।	वाचन व श्रवण कौशल – कल्पना कीजिए कि अगर आपको चाँद पर जाने का मौका मिले तो आपको कैसा लगेगा? पठन कौशल- पद्यांश पर आधारित बातचीत कीजिए। बच्चों को संवाद पढ़कर अभिनय करने का अवसर दें। लेखन कौशल- चंद्रयान के बारे में अनुभव लिख कर कक्षा में साझा कीजिए। व्याकरण- पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द आदि का सन्दर्भ में प्रयोग।	• भारत के चंद्र मिशन के बारे में जानकारी इकट्ठा कीजिए। • रोल प्ले। • लघु नाटक पढने के लिए दें।	
12	18	हम अनेक किन्तु एक	• कही जा रही बात, कविता, कहानी आदि को ध्यान से समझते हुए सुनते हैं और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर सकते हैं तथा उचित हाव भाव के साथ सुना सकते हैं। • भारत की विविधता से परिचित किया जा सकता है।	वाचन व श्रवण कौशल – कविता को लय-ताल व स्वरों के उतार चढ़ाव के साथ गाएँ व बच्चों को भी गाने के लिए कहें । भारत देश के बारे में चर्चा करें। पठन कौशल- जोड़ों में पठन, समूह में पठन, अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देना। लेखन कौशल- तुकांत शब्द, शब्द निर्माण। व्याकरण- एक-अनेक (वचन) का सन्दर्भ में प्रयोग। ।	• विभिन्न राज्यों के भाषा एवं लोक-नृत्य पर आधारित अभिनय प्रस्तुत कीजिए। • फैंसी ड्रेस । • विद्यार्थियों के साथ मिलकर कोई भी देशभक्ति गीत गाएँ ।	

नोट- उपर्युक्त पाठ्यक्रम पुनरावृत्ति के साथ वार्षिक परीक्षा से पहले पूर्ण हो जाना चाहिए।